सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
https://www.facebook.com/sabgurunews/
https://www.sabguru.com/
https://www.youtube.com/channel/UCCdLI90UP-prqTinNwqUX7g/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-under-standing-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

वर्ष 1 | अंक 15 | अजमेर, गुरुवार 25 जनवरी 2024 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा दीये और आतिशबाजी के साथ मनी दीवाली

नई दिल्ली/अयोध्या। सैकड़ों वर्षों के इंतजार के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भव्य राममंदिर में प्रभुश्रीराम के बालविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में शामिल हुए और इसके उपरांत राजधानी दिल्ली समेत देश भर में लोगों ने दीपोत्सव मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर दीपावली मनाई। इस अवसर पर राजधानी दिल्ली में सुबह से मंदिरों में पाठ और कीर्तिन शुरु हुआ और बाजारों में सुबह से मिठाई दीयों और अन्य सामग्री की लोगों की भीड़ देखी गई। दिल्ली में जगह-जगह लंगर और भंडारों का आयोजन किया है। शाम होते-होते पूरी राजधानी दीयों और लाइटिंग से जगमगाने लगी। इसके साथ ही गली मोहल्लों में लोगों ने जमकर आतिशबाजी की और एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए देखे गए।अनगिनत दीपों से जगमगाती रामनगरी की शोभा सोमवार शाम देखते ही बन रही थी। अद्भुत अलौकिक अविस्मरणीय कल्पनातीत सौंदर्य को जिसने भी देखाए अपलक निहारता ही रह गया।प्रभु श्रीराम की नगरी के वासी हों श्रद्धालु हों या भारत के सुदूर कोने-कोने से आए श्रद्धालु सभी दीपध्राम ज्योति प्रज्ज्वलित कर श्रीराम की प्राण.प्रतिष्ठा के उपरांत अवधपुरी के कण-कण रज-रज में अपने राम को निहार रहे थे अपने घर में रामलला की गूंज से हर ओर राम-राम नाम गुंजायमान रहा सब में राम जय-जय श्रीराम सुनाई दे रहा है।

अयोध्या में श्रीरामलला के अपने दिव्य.भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत शाम को दीपोत्सव मनाया गया। प्रभु के भक्त संकटमोचक हनुमानगढ़ी मंदिर के सामने भी भक्ति में लीन अवधपुरी में यह आयोजन अद्वितीय, अविस्मणीय लगा रहा था। सभी के मन में इस बार अलग ही उमंगए उत्साह और उल्लास दिखाई दे रहा हैए क्योंकि आज 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हो गया।अयोध्या दीपोत्सव में आज आस्थाए आह्लाद और आत्मीयता के दीप जले। सहज आह्लाद के साथ आत्मीयता के भावों को संजोए हुए आराध्य प्रभु के प्रति आस्था निवेदित करते हुए सरयू तीरे राम की पैड़ी, मठ.मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जल रहे अनगिनत दीपों के बीच निहाल श्रद्धालुओं का हर्ष, उमंग और अनुभूति हर कोई महसूस कर रहा था।सहज भाव से हो रहे राम राम जय राजा राम, जय सिया राम सियावर रामचन्द्र की जय जयघोष के साथ सरयू की लहरों में उठती तरंगें देख ऐसा लगता था कि मानो सरयू मैया भी अपने राम की जयकार कर रही हों। श्रीराम के इस महाउत्सव पर पूरी अवधपुरी को सजाया गया था। अयोध्या के मंदिरों, छोटी गलियों से लेकर मुख्य मार्गों सभी सरकारी, धार्मिक भवनों पर तो आकर्षक लाइटिंग की ही गई थी नगरवासियों ने भी घरों में दीप जलाकर अपने राम को अपने बीच महसूस किया। प्रतिदिन की भांति सरयू मैया की आरती भी उतारी। इस दौरान आज अलग ही उमंग देखने को मिला। यहां अनेक साधु-संतों के साथ अनेक विशिष्ट जनों द्वारा घाटों पर आरती की गई।वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब सत्ता संभाली तो दीपोत्सव के भव्य-दिव्य आयोजन की परिकल्पना तैयार की। प्रतिवर्ष इसकी भव्यता बढ़ती चली गई। पिछले वर्ष 2023 में योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला दीपोत्सव भी हर रिकॉर्ड तोड़कर अभूतपूर्व हुआ। इसमें 22.23 लाख दीप प्रज्ज्वलित हुए। हर तरफबस श्रीराम, मेरे राम से अवधपुरी गुंजायमान हो उठी थी। ठीक तीन माह के अंतराल पर आज ;22 जनवरी, 2024 कोद्ध अयोध्यावासियों ने श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा पर पुनः दीपावली मनाई। त्रेतायुग की अयोध्या आज अलौकिक दिखी। सभी ने अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा के दीप जलाए।आज प्राण.प्रतिष्ठा के उपरांत शाम सात बजे तक राम की पैड़ी पर प्रोजेक्शन शो का आयोजन किया गया है। इसके बाद यहां पर लेजर शो हुआ। इको फ्रेंडली आतिशबाजी का नजारा भी प्रस्तुत किया जाएगाए जिसे देख हर किसी का मन पुलकित हो उठा। उत्तर प्रदेश के अध्योध्या, झांसीए मुरादाबाद, कौशांबी, प्रयागराज और देवरिया सहित प्रदेश के सभी जिलों से भव्य कार्यक्रमों के आयोजन किया। सभी जगह मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया सुंदर कांड और अखंड रामायण के पाठ के साथ साथ भजन कीर्तन हुआ। शाम के समय दीपोत्सव के साथ लोगों ने जगह जगह पर आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। बुंदेलखंड के झांसी से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार छोटे बड़े सभी मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान मंदिरों में भजन कीर्तन और रामसेवकों द्वारा प्रभु श्रीराम की विशेष आरती की गयी। कहीं मंदिरों में सुंदरकाड का सामूहिक पाठ किया गया तो कहीं अखंड रामायण का आयोजन किया गया। कहीं हनुमान चालीसा के साथ हवन और धार्मिक अनुष्ठान के साथ प्रसाद वितरण किया गया।महानगर के 60 वार्डों और प्रत्येक मोहल्ले को विशेष रूप से सजाया गया। महानगर के 35 चौराहों को विशेष रूप से सजा धजा कर रामलला के स्वागत को तैयार किया गया विभिन्न बाजारों में लोग रामधुन पर लोग नाचते गाते नजर आये तो जगह जगह पर भंडारों का आयोजन किया गया। महानगर में 16 मंदिरों और जिले में 12 मंदिरों में राम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। देवरिया जिला प्रभुश्रीराम के स्वागत में राममय हो गया और लोगों में उत्साह का माहौल नजर आया। मंदिरों और घरों को झालरों तथा दीयों से सजाया गया है। शहर में हनुमान मंदिर, देवरही मंदिर, सोमनाथ मंदिर, बालाजी मंदिर, रूद्रपुर के दुग्धदेश्वर नाथ मंदिर, बारीपुर के प्राचीन हनुमान मंदिर सहित आदि मंदिरों में सुबह से ही सुंदरकांड, रामायण और रामनाम जप का आयोजन किया गया है। कई संस्थाओं की ओर से सुबह प्रभातफेरी निकाली गई। मेडिकल कालेज के छात्रों ने अपने प्राचार्य तथा सहायक प्रोफेसरों के साथ मेडिकल कालेज परिसर में जय श्रीराम का जयघोष करते हुए फेरी लगाए। दीवानी कचहरी परिसर में वकीलों ने सुन्दर कांड का पाठ किए तथा इस दौरान भण्डारे का आयोजन किया गया था। जिसमें तमाम अधिवक्ता सुन्दर कांड का पाठ किये। कलेक्ट्रेट में भी कर्मचारियों तथा अधिकारियों के द्वारा सुन्दर कांड पाठ का आयोजन किया गया था। यहां शाम को अधिकांश घरों में राम ज्योति जलाई जलायी जायेगी।कौशांबी जिले में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के भव्य कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। इस आयोजन को लेकर राम भक्तों में बेहद उत्साह देखा गया। गांव से लेकर शहरी क्षेत्र में धार्मिक स्थलों मंदिरों में रंग.बिरंगे गुब्बारे लगाकर सजाया गया। श्रीराम के जयकारे से संपूर्ण वातावरण राम मय हो गया।नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम के देवीगंज चौराहे में बाजार जिला मुख्यालय मंझनपुर में दुर्गा देवी मंदिर सिराथू नगर पंचायत में राधा कृष्ण मंदिर में भक्तों ने रामचरितमानस सुंदर कांड का पाठ और कीर्तन भजन किया गया।मुरादाबाद मंडल में भी इस भव्य आयोजन के लेकर लोगों के बीच गजब का उत्साह देखने को मिला। मुरादाबाद के अलावा अमरोहा जनपद के मंदिरों के साथ ही सरकारी भवनोंए प्रमुख चौराहों और बाज़ारों को भव्य तरीके से सजाया गया। वहीं दूसरी ओर गांव.गांव यज्ञ.हवन तथा मंदिरों में रामायण. सुंदरकांड पाठ के साथ भंडारे लगाए गए। अमरोहा के मंडी धनौरा क्षेत्र में यज्ञ.हवन करते हुए ट्रैक्टर ट्रालियों में सवार होकर ग्रामीणों द्वारा हवनकुंड को गांव.गांव घुमाया गया। संगम नगरी प्रयागराज में भी रामलला के अयोध्या आगमन पर पूरा माहौल राम के रंग में रंगा नजर आया, विशेष रूप से माघ मेले में इसका एक अनूठा ही रूप नजर आ रहा है।माघ मेला क्षेत्र में साधु.संत, कल्पवासी अपने शिविरों में सबसे अधिक राम कथा और रामनाम का जाप कर रहे हैं। संत महात्माओं के शिविर के अलावा प्रशासन द्वारा मेला क्षेत्र में लाडस्पीकर पर रामधुन स्वरलहरी गूंज रही है। जगह-जगह संत महात्माओं के शिविर में अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ का कार्यक्रम चलता रहा। कल्पवासी अपने शिविरों में राम नाम का भजन करने में लीन रहे। मेला क्षेत्र में स्पीकर पर राम भजनए राम कथा और राम आरती विशेषकर मेरी झोपड़ी के भाग्य आज खुल जाएंगे राम आएगे, राम-राम जय राजा रामए राम राम राम जय सीता राम आदि भजनों से गुंजायमान रहे। मेला क्षेत्र के अलावा प्रयागराज महानगर में लहरा रही राम पताकाएं माहौल को भक्तिमय बना दिया है। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर जिले के सभी मंदिरों पर राम भजन, संकीर्तन, रामायण पाठ आदि चलता रहा। सिविल लाइंस स्थित और संगम क्षेत्र स्थित बंधवा वाले हनुमान मंदिर में भी श्रद्धालु सामूहिक रामायण पाठ हुआ।

सरयू तीरे जलाए गए आस्था और आत्मीयता के दीप

अयोध्या। अनगिनत दीपों से जगमगाती रामनगरी की शोभा सोमवार शाम देखते ही बन रही थी।अद्भुत अलौकिकए अविस्मरणीय कल्पनातीत सौंदर्य को जिसने भी देखा अपलक निहारता ही रह गया।प्रभु श्रीराम की नगरी के वासी हों श्रद्धालु हों या भारत के सुदूर कोने-कोने से आए श्रद्धालु सभी दीपधाम ज्योति प्रज्ज्वलित कर श्रीराम की प्राण.प्रतिष्ठा के उपरांत अवधपुरी के कण-कण, रज-रज में अपने राम को निहार रहे थे अपने घर में लल्ला की गूंज से हर ओर राम.राम नाम गुंजायमान रहा, सब में राम, जय जय श्रीराम।सोमवार को श्रीरामलला के अपने दिव्य.भव्य मंदिर में प्राण.प्रतिष्ठा के उपरांत दीपोत्सव मनाया गया। प्रभु के भक्त संकटमोचक हनुमानगढ़ी मंदिर के सामने भी भक्ति में लीन अवधपुरी में यह आयोजन अद्वितीय हो गया। सभी के मन में इस बार अलग ही उमंग उत्साह व उल्लास रहा क्योंकि 500 वर्षों का संघर्ष समाप्त हो गया।अयोध्या दीपोत्सव में सोमवार को आस्था आह्लाद और आत्मीयता के दीप जले।

सम्पादकीय

श्रीराम की जीवनधारा किसी को किनारे छोड़कर आगे नहीं बढ़ती

भारत के राम भारत राष्ट्र के हृदय की धड़कन हैं। राम राष्ट्र हैं। वे भारत राष्ट्र की पहचान हैं। राम का नाम लेकर यहां का वासी अपनी जिंदगी की घड़ियां गुजारता है। राम उसके भगवान हैं मर्यादा पुरुष भी। राम स्वयं काल हैं वे काल सत्य हैं। वे खण्डित नहीं अखण्ड हैं। उन्हें काल खण्डों में नहीं बांटा जा सकता। श्रीराम भारत राष्ट्र की शक्ति हैं। वे राष्ट्रीय ऊर्जा से स्रोत हैं। वे राष्ट्र के शरीर भी हैं और मन भी। ईश्वरीय सत्ता श्रीराम का शरीर धारण करके भारत भूमि पर उतरी थी। वे संपूर्ण मानवीय चेतना और संवेदना का पुंज थे। श्रीराम ने मनुष्य को मनुष्य का आचरण बताया था। मनुष्य को उत्कर्ष और उत्सर्ग की कला सिखायी थी। राम का जीवन आदि मध्य और अन्त की कथा नहीं है। वह सनातन हैंए निरन्तर हैं नित्य हैं नूतन हैं। सार्वकालिक और सार्वभौमिक हैं।श्रीराम के चरित्र के साथ ही मानव समाज के लिए उदात्त मानवीय आदर्शों का प्रणेता उपस्थित होता है। श्रीराम जो राजतंत्र को लोकतंत्र का स्वरूप प्रदान करते हैं विवष और संकटग्रस्त होकर भी कभी नहीं टूटते हैंए स्वयं शोषित रहकर जन.जन को परिपोषित करते हैंए विपरीत परिस्थितियों में भी निष्ठा, उदारता, सरलता, सहिष्णुता से विचलित नहीं होते हैं वे ही भारतीय चिन्तन में मानवीय अवधारणा के प्रतिरूप हैं।इस देश को प्रेरणा के लिए चाहिए प्रकाश पुंज साक्षात उदाहरणए कोई ऐसा ज्वलंत जीवन जो देशवासियों का केंद्रबिंदु हो। भारत के पास यह ज्वलंत जीवन है। उसके पास उसका राम है। यहां की जनता अपने राम से जुड़ रही है। वह अपने देश की राजनीति को राम केंद्रित बना रही है कि कोई व्यक्ति या दल देश के शासन तंत्र का उपयोग और संचालन अपने लिए नहींए सबके सुख सबकी समृद्धि और सबकी निरामयता के लिए करे। श्रीराम भारत के प्रकाश हैं और भारत विश्व का प्राणाधार। राम भारत और विश्व को अन्योन्याश्रित संबंध है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और सृष्टि का प्रत्येक अंश राम का अंश है। रामांश होने का अर्थ है जीवन की अनगढ़ता का अंत और अनगढ़ कृत्यों के अपराध से मुक्ति। अनगढ़ अर्थात् असंस्कृत कृत्यों के अपराध से मुक्ति अर्थात् मंगलमय जीवन का प्रारंभ। यह मंगलमयता व्यक्ति को समाज राष्ट्र अैर विश्व के साथ एकात्म करती है। मंगलमयता ही परिवर्तन का बीज है।इसमें कोई दो राय नहीं है कि विभेदकारी राजनीति द्वारा क्षतिग्रस्त भारतीय समाज की संरचना दिन-प्रतिदिन बिखरती गई। श्रीराम से जुड़कर उसे एक बार फिर एकात्मबोध को संदेश मिला है। श्रीराम भारतीय सामाजिक संरचना के संवेदनशील तंतु और तत्व ही नहीं हैंए वे राष्ट्रीय अखण्डता की आधारभूमि भी हैं।श्रीराम परिवर्तन का नाम है। संबंधों और संबोधनों तक में परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। भाषा और भावनाएं परिवर्तित हो रही हैं। परिवार, व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की धारणा और अवधारणा भी बदल रही है। जो लोग देश-दशा का दर्शन केवल समाचार पत्रों या न्यूज चैनल के समाचारों और शीर्षकों से करते हैं वे निराश हैं किंतु जो देश की धरती पर लिखे जा रहे इतिहास के संदेश और सामचार से जुड़े हैं वे आशान्वित हैं। वे उज्ज्वल भविष्य का दर्शन कर रहे हैं।समाचार पत्रों, न्यूज चैनलों, गोष्ठियों और डिबेट में जिस तरह की चर्चा होती है वह असली भारत नहीं है। वह भारत का यर्थाथ भी नहीं है। वे सभी वास्तविकता से कटे हुए है। संदर्भहीन हैं। असली भारत देशवासियों के मन में खेत खलिहानों में कर्मरत किसानों मेंए युवकों के अंतःकरण में स्फुरित हो रही आस्था में अपना नवीन रूपाकार ग्रहण कर रहा है। विकृत बुद्धि वाले लोग परेशान ही इस कारण से हैं कि उनके थोथे चने का बजना बंद हो रहा है। ये जितना अधिक जोर से चीखेंगे उनकी आवाज जितनी अधिक ऊंची होती जाएगी श्रीराम के भारत के उदय की संभावना उतनी ही सबल और उतनी ही समीप आती जाएंगी।श्रीराम मंदिर निर्माण के कारण हो रहे मंगलमय परिवर्तन का सर्वत्र अनुभव किया जाने लगा है। श्रीराम की चेतना के कारण मानवता के विकास की दिशा स्पष्ट हो रही हैं। भारत की चिरगरिमा प्रतिष्ठा पा रही है। भारत अपनी विसंगतियों को दूर करने की दिशा में प्रवृत्त हो रहा है। भारत की राष्ट्रीय अस्मिता वास्तविक रूप में अभिव्यक्त होने को है। जो लोग श्रीराम को स्वीकार नहीं करते वे सीधे और स्पष्ट शब्दों में उन्हें नकार भी नहीं पा रहे हैं। समस्त विश्व को प्रभावित करने में श्रीराम मंदिर की महान् भूमिका का महत्व मौनभाव से ही सही स्वीकार किया जाने लगा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तोडा इंडिया गठबंधन से नाता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के राज्य में इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनने और अकेले चुनाव लड़ने की बुधवार को घोषणा की।बनर्जी ने वर्दमान जिले से रवाना होने से पहले संवाददाताओं से यह बात कही। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के साथ हमारा कोई संबंध नहीं है और हम राज्य की 42 लोकसभा सीटों पर अपनी ताकत से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा कांग्रेस के साथ कोई रिश्ता नहीं है। हम अकेले लड़ेंगे और अखिल भारतीय स्तर पर चुनाव के बाद निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में कांग्रेस को दो सीटें देना चाहती थीए लेकिन वे और सीटें चाहते थे जो उनकी पार्टी को स्वीकार्य नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस नेता ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने वाली कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनका पश्चिम बंगाल आने का कार्यक्रम है लेकिन उनमें ;कांग्रेस हमें सूचित करने का शिष्टाचार तक नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस 300 सीटों तक लड़ सकती है और अन्य पार्टियां भी चुनाव लड़ें।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल-2024 आगामी 1 से 5 फरवरी को होगा आयोजित

जयपुर। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल-2024 का राजधानी जयपुर में आगामी एक से पांच फरवरी तक आयोजन किया जाएगा जिसमें देश.दुनियां के साढ़े पांच सौ से अधिक लेखक, वक्ता एवं कलाकार भाग लेंगे।इस संबंध में मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि जयपुर फेस्टिवल का 17वां संस्करण होटल कलार्क्स आमेर में आगामी एक से पांच फरवरी तक आयोजन होगा और साहित्य के इस महाकुम्भ में देश-दुनिया के 550 से अधिक लेखक, वक्ता और कलाकार हिस्सा लेंगे। इसमें 16 भारतीय और आठ अंतर्राष्ट्रीय भाषाएं प्रस्तुत की जाएंगी। भारतीय भाषाओं में असमी, अवधी, बंगाली, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कुरुख मलयालम, ओड़िया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत तमिल, तोड़ा, उर्दू और बंजारा भाषा लामानी लम्बाडा शामिल हैं।

फेस्टिवल में साहित्य की श्रेष्ठ प्रतिभाओं को सम्मिलित किया जाएगा जिनमें नेशनल जिओग्राफिक की यूरोप और पश्चिमी एशिया में रीजनल मैनेजरए यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में ऑनरेरी फेलो और सिल्क ए हिस्ट्री इन थ्री मेटामोर्फेस की लेखिका आरती प्रसादय भूतपूर्व इंडियन क्रिकेटर और कमेंटेटर अजय जड़ेजा, ब्लॉकबस्टर बाहुबली त्रयी, असुररू टेल ऑफ़ द वेन्कुइश्ड और अजय सीरिज के लेखक आनंद नीलकंठन, बैड न्यूज़ लास्ट जर्नलिस्ट इन ए डिक्टेटरशिप और स्ट्रिंगर ए रिपोर्टरस जर्नी इन द कांगो के पुरस्कृत लेखकए पत्रकार और टेलीविज़न प्रेजेंटर अंजन सुंदरम, ऑपरेशन मिंसमीट, ए स्पाई अमोंग्स्ट फ्रेंड्स एसएएसरू रोग हीरोज और हाल ही में प्रकाशित हुई कोल्दितज़ प्रिजनर ऑफ़द कैसल सहित नॉन.फिक्शन हिस्ट्री की 14 किताबों के लेखक बेन मकिन्त्रे जिनकी किताबें संडे टाइम्स की बेस्टसेलर लिस्ट में शामिल रही हैं।इसी तरह उपन्यासकार, पटकथाकार और क्रिएटिव डायरेक्टर बोनी गार्मुस, साहित्य के लिए जेन मिचल्सकी पुरस्कार से सम्मानित लेखक गोर्गी गोस्पोदिनोव, पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व गवर्नर आई एम एन आर्डिनरी, मैनरू इंडियास स्ट्रगल फॉर फ्रीडम ;1914.1948 के लेखक और महात्मा गांधी के परपोते गोपाल कृष्ण गांधीए पुलित्ज़र प्राइज से सम्मानित और ट्रस्ट और इन द डिस्टेंस के बेस्टसेलिंग लेखक हेर्नन डिआज़, स्तंभकार, ओर्वेल प्राइज से सम्मानित पत्रकार और द एस्केप आर्टिस्ट द मैन हू ब्रोक आउट ऑफ़ ऑस्विच टू वार्न द वर्ल्ड सहित 12 किताबों के लेखक जोनाथन फ्रीडलैंडय सुपर इनफिनिट ;बैली गिफर्ड पिंज़े से सम्मानित द गोल्डन मोल और अदर वैनिशिंग ट्रेजर की लेखिका कैथरीन रुंडेलय इंटिमेसिज की पुरस्कृत लेखिका कैटी कितामुराय पुरस्कृत ब्रिटिश उपन्यासकार और हाल ही इआन फ्लेमिंग की जीवनी से चर्चित जीवनीकार निकोलस शेक्सपियरय लॉ प्रोफेसर और कोर्ट ऑन ट्रायल की लेखिका सीतल कलंत्रीय पत्रकारिता की प्रोफेसर और द लाफ्टर व फोरेन की लेखिका सोनोरा झा फेस्टिवल में शामिल होगी।

टीमवर्क आर्ट्स ने ऑफिस ऑफ़ द रेजिडेंट कमिश्नर ऑफ़द यूनाइटेड नेशंस के साथ अपने आगामी कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि विविध पहल और पार्टनरशिप के जरिये उनका प्रयास ष्जीरो.वेस्टष् और अधिक ष्सस्टेनेबलष् फेस्टिवल बनाने का है। अपने ग्रीन पार्टनर्स के सहयोग से फेस्टिवल का मकसद भविष्य में कार्बन.न्यूट्रल बनने का है। टीमवर्क्स आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजॉय के. रॉय ने कहा कि इस साल जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल विचारोत्तेजक विषयों और शानदार प्रस्तुतियों को लेकर हाजिर हैए इसमें 550 वक्ता और कलाकार हिस्सा लेंगे। हम जयपुर में सभी पाठकों को आमंत्रित करते हैंए वो आएं और शब्दों के इस महत्वपूर्ण फेस्टिवल का हिस्सा बनें।

इस अवसर पर एयू स्माल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा कि सालों से जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल दुनिया के सबसे प्रमुख लिटरेचर फेस्टिवल के रूप में उभरा है। यह सहयोग प्रत्येक गुजरते वर्ष के साथ सुदृढ़ होने और बढ़ती प्रासंगिकता हासिल करने के लिए तैयार है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि टीमवर्क आर्ट्स और मेरे फैमिली ऑफिस का एक साझा दृष्टिकोण फेस्टिवल को अभूतपूर्व उपलब्धियों की ओर ले जाएगा।

टी.सीरीज़ के राम आएंगे भजन ने बनाया रिकॉर्ड

मुंबई। टी.सीरीज़ के राम आएंगे भजन ने रिकॉर्ड बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन एक उल्लेखनीय दृश्य के रूप में सामने आया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक भजन जो सब की जुबान पर था वह था राम आएंगे। केवल एक दिन में 1 मिलियन से अधिक रीलों और गाने पर कुल मिलाकर 3.6 मिलियन रील्स बन चुके हैं। यह गाना लोगों इमोशन से बखूबी जुड़ गया है। विशाल मिश्रा द्वारा स्वरब और पायल देव द्वारा कंपोज्ड यह गाना रातों रात चर्चा का विषय बन गया और लाखों दिलों पर राज कर रहा है। देशभर के श्रद्धालुओं ने इस गाने के ज़रिये अपनी श्रद्धा को व्यक्त किया है। राम आएंगे को यूट्यूब पर 24 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

यूक्रेन सीमा पर रूसी सैन्य परिवहन विमान क्रैश, चालक दल सहित 74 की मौत

कीव/मॉस्को। रूस के सैन्य परिवहन विमान इल्यूशिन.76 के यूक्रेन की सीमा से सटे दक्षिणी बेलगोरोद क्षेत्र में बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त होने से चालक दल के छह सदस्यों सहित 74 लोगों की मौत हो गई।रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार एक रूसी सैन्य परिवहन विमान बेलगोरोद के सीमावर्ती क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गयाए जिसमें 65 यूक्रेन के युद्ध बंदी सवार थे। गार्जियन के पजोट्र सॉयर ने मॉस्को से कहा कि 65 यूक्रेन के युद्धबंदियों को ले जा रहा रूसी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।मंत्रालय ने कहा कि विमान में 65 यूक्रेन के युद्ध बंदी सवार थेए जिनकी अदला.बदली की जानी थी। मंत्रालय ने कहा कि इल्युशिन आईएल.76 परिवहन विमान पर चालक दल के छह सदस्य और तीन अन्य लोग भी सवार थे। बेलगोरोद के क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि जहाज पर सवार सभी 74 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन ने हालांकि इस दुर्घटना के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। यूक्रेन्स्काया प्रावदा अखबार ने सूत्रों का हवाला देते हुए पहले यह कहा था कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने विमान को मार गिरायाए लेकिन बाद में उसने रिपोर्ट वापस ले ली।सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में दिखाई दे रहा हैए जब एक बड़ा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसके बाद एक विशाल आग के गोले के साथ ही विस्फोट हुआ। फुटेज में अन्य तस्वीरों में मलबे को बर्फीले इलाके में बिखरा हुआ दिखाया गया है।सोवियत द्वारा डिज़ाइन किया गया इल्यूशिन इल.76 एक सैन्य परिवहन विमान है जिसे सैनिकोंए कार्गोए सैन्य उपकरणों और हथियारों को लाने ले जाने के लिए उपयोग में लाया जाता है।ड्यूमा के स्पीकर व्याचेस्लाव वोलोडिन ने कहा कि विमान को यूक्रेन ने मार गिराया था और उन्होंने इसके लिए पश्चिमी मिसाइलों को दागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने अपने ही सैनिकों को मारा है। वोलोडिन ने संसद के पूर्ण सत्र के दौरान सांसदों से कहा। हमारे पायलट जो एक मानवीय मिशन को अंजाम दे रहे थेए उनको गोली मार दी गई।रूस की संसद के वरिष्ठ सांसद और सेवानिवृत्त जनरल आंद्रेई कार्तपोलोव ने संसदीय सत्र के दौरान कहा कि विमान पर तीन मिसाइलों दागी गई थीए जिससे विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने अपनी जानकारी का स्रोत नहीं बताया। कार्तपालोव ने कहा कि जांच से पता चलेगा कि मिसाइलें पश्चिमी की ओर से दागी जाने वाली पैट्रियट्स या आइरिस.टी थीं।सेवानिवृत्त जनरल कार्तपालोव ने दावा किया कि विमान के दुर्घटना से पहले रूस और यूक्रेन को आज 192.192 कैदियों की अदला.बदली करनी थी। उन्होंने कहा कि इस महीने दोनों देशों ने युद्ध की शुरुआत के बाद से कैदियों की सबसे बड़ी अदला.बदली की घोषणा की थी। जिसमें संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में हुए समझौते में दोनों पक्षों से 200 से अधिक सैनिकों की अदला.बदली होनी थी।

शुभ घड़ी में विराजे रघुराई

◆ 84 सेकेंड के अभिजीत मुहूर्त में हुई रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा
◆ देशवासियों के छलके आंसू जब देखी राम की सौम्य अदभुत छवि
◆ प्रतिष्ठा समारोह में दिखी सामाजिक समरसता

जयपुर। सदियों से भारतवासियों को जिस घड़ी की प्रतीक्षा थी वो आखिरकार 22 जनवरी के विशेष शुभ मुहूर्त में साकार हो गई। अवध नगरी के मुख्य मंदिर में रामलला अपने सौम्य श्यामल बाल स्वरूप में विराजित हुए। राम के माथे का तिलक और उनकी सौम्य मुद्रा देखने वालों की आंखों में बस गई। राम लला के चेहरे की मुस्कान ने मन को मोह लिया। ये अदभुत और अलौकिक दृश्य देख पूरा देश भावुक हो उठा और ये भावनाएं आंसुओं के साथ छलक पड़ी। ये ही वो क्षण भी था जहां पर सामाजिक समरसता भी दिखाई दी।पिछले 500 वर्षो का इतिहास देखा जाए तो राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा उस विश्वास की विजय हैं जिसमें असंख्य बलिदानियों का संघर्ष छिपा है किंतु अपने राम के प्रति गहरी आस्था थी जो उस 84 सेकेंड के शुभ मुहूर्त में जीवंत हो उठी जब रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

अनुष्ठान के बाद हुई पहली आरती

प्रभु श्रीराम के पांच साल के बाल स्वरूप मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी सभी जरूरी पूजा विधि दोपहर 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकेंड से लेकर 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकंड के अभिजीत मुहूर्त में मंत्रोच्चार के बीच हुई। अनुष्ठान के बाद पहली आरती भी संपन्न हुई। इस दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग रवि योग और मृगशिरा नक्षत्र का दुर्लभ संयोग बना जो अत्यंत शुभ माना जाता है।

गूंजी मंगल ध्वनि और बज उठे वाद्ययंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि. अनुष्ठान ही रखे गए थे। समारोह की शुरुआत अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर सुबह दस बजे से मंगल ध्वनि के भव्य वादन के साथ हुई। विभिन्न राज्यों के 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र लगभग दो घंटे तक इस शुभ घटना के साक्षी बनें।

मूर्ति की विशेषता

रामलला की मूर्ति में बालत्व देवत्व और एक राजकुमार तीनों की छवि दिखाई दे रही है। मूर्ति का वजन करीब 200 किलोग्राम है। इसकी कुल ऊंचाई 4.24 फीट, जबकि चौड़ाई तीन फीट है। कमल दल पर खड़ी मुद्रा में मूर्ति हाथ में तीर और धनुष है। कृष्ण शैली में मूर्ति बनाई गई है। मूर्ति के ऊपर स्वास्तिक, चक्र, गदा और सूर्य देव विराजमान हैं। रामलला के चारों ओर आभामंडल है। मस्तक सुंदर आंखें बड़ी और ललाट भव्य है। मूर्ति में भगवान विष्णु के 10 अवतार दिखाई दे रहे हैं। मूर्ति का निर्माण श्याम शिला से हुआ है जिसका रंग काला होता है। इस वजह से रामलला की मूर्ति श्यामल रूप में दिखाई दे रही है।

माही श्रीवास्तव और खुशबू तिवारी केटी का गाना प्यार में जाओ या भाड़ में जाओ रिलीज

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और गायिका खुशबू तिवारी केटी का गाना प्यार में जाओ या भाड़ में जाओश् रिलीज हो गया है। प्यार में जाओ या भाड़ में जाओ वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। यह गाना खुशबू तिवारी केटी ने गाया है। गाने में दिखाया गया है कि माही किसी लड़के के प्यार में है और वह लड़का किसी दूसरी लड़की के प्यार में है। जिसे माही रंगेहाथों पकड़ लेती है। जिससे रूठ कर माही श्रीवास्तव वार्निंग देते हुए नजर आ रही है। वह कहती है कि किसी के प्यार में जाओ या भाड़ में जाओए ऐसे बेवफा के प्यार करना वाजिब नहीं। चाहे मर जाओ मगर मुंह उठाकर वापस मत आना। वाकई यह सांग काफी मजेदार है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत इस गाने में माही श्रीवास्तव प्रेमी बने कोरियोग्राफर एक्टर गोल्डी जायसवाल से कहती है कि अब ना फर्क पड़ेगा मुझको तेरी बातों का मैं सामना कर लूंगी इन हालातों का जैसे चाहो वैसे तुम अपना मन बहलाओ जैसे चाहो वैसे तुम अपना मन बहलाओ किसी के प्यार में जाओ या फिर भाड़ में जाओए किसी के प्यार में जाओ या फिर भाड़ में जाआ् चलो निकलो प्यार में जाओ या भाड़ में जाओ के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गाने के गीतकार यादव राज हैं और इसे मधुर संगीत से संगीतकार सतेंद्र जी ने सजाया है। वीडियो डायरेक्टर विझेल, कोरियोग्राफर गोल्डी जायसवाल, डीओपी राजन वर्मा हैं। इस गाने का ऑल राइट वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

◆ श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने राम भक्त ◆ 9 दिवसीय आयोजन में 3 तीन लाख श्रद्धालुओं ने की शिरकत

100 अरब हस्तलिखित श्रीराम नाम महामंत्र परिक्रमा से अजमेर राममय

अजमेर। श्रीरामलला कै भव्य मंदिर में विराजित होने के साथ ही यहां 100 अरब हस्तलिखित श्रीराम नाम महामंत्रों की परिक्रमा का स्थल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण देख रहे लोगों ने भगवान के आगमन की खुशी में दोनों हाथ उपर उठाकर खुशी का इजहार किया। सुबह 11 बजे से अपराहन 3 बजे तक सभी रामभक्त देश के गौरवशाली क्षण के साक्षी बने। परिक्रमा विश्राम का दिन होने से हर कोई राम नाम महामंत्रों के साक्षत दर्शन को आतुर रहा। देर रात तक परिक्रमा का सिलसिला चला।श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा पूर्ण होते ही आजाद पार्क की अयोध्या नगरी जय श्रीराम के उदघोष से गूंज उठी। अजमेर के सुप्रसिद्ध राजस्थान बैंड ने मधुर ध्वनि बिखेरी। आनंद विभोर हुए रामभक्तों के कदम थिरक उठे। मातृशक्ति ने मंगलगान गाए। मिठाई वितरण हुआ। भगवान राम के आगमन के साक्षी बनकर धर्मप्रेमी निहाल हुए।

राम आगमन लंबी संघर्षपूर्ण यात्रा का गौरवमयी अंतः-समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस अवसर पर कहा कि 500 साल से भी लंबी संघर्षपूर्ण यात्रा का गौरवमयी अंत हुआ और हमारे आराध्य श्रीरामलला भव्य मंदिर में विराजित हुए हैं। राम हम सभी के हैं श्रीराम आदर्श की प्रतिमूर्ति हैं। भगवान राम के त्यागपूर्ण जीवन हमारे लिए मिसाल है। राम हमारे मन ही नहीं बल्कि रोम रोम में समाए हैं। राम को अपने आचरण और व्यवहार में उतारें।मसानिया भैरव धाम राजगढ के उपासक चंपालालजी महाराज ने कहा कि आज के शुभ दिन पर 100 अरब हस्तलिखित राम नामों का अशीर्वाद मिलना श्रीराम की कृपा से संभव हुआ है। हर तरफराम ही राम हैं। लोग उल्लस से लबरेज हैं।

परिक्रमा पांडाल में हर तरफ राम ही रामः-इस देवमयी आनंद को उस समय उंचाईयों मिल गई जब राम बनों प्रतियोगी में भाग लेने वाले बालक और बालिकाएं साक्षात भगवान का रूप धारण कर सबके बीच में आए। हर तरफ राम ही राम देख लोग अचंभित हो गए। राम बने नन्हें बच्चों ने श्रीराम नाम महामंत्रों की परिक्रमा लगाई। रामदरबार बनकर आए प्रतिभागियों ने सबका मन मोह लिया। करीब 50 बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी को पारितोषिक प्रदान किया गया।

परिक्रमा विश्राम की महाआरती में जुटे रामभक्तः-महाआरती आरती में संत, अतिथियों, यजमानों राकेश डीडवानिया, अरुणा गुप्ता, गौरांग किशनानी, रवि मूरजानी समेत कई गणमान्यजनों ने लाभ लिया। परिक्रमा विश्राम के दिन रामभक्त व्याकुल नजर आए। नौ दिन तक चले भक्तिपूर्ण वातावरण में आत्मसात हुए श्रद्धालुओं के अश्रु छलक आए।

नोरा फतेही कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में करेंगी डेब्यू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। नोरा फतेही फिल्म केडी.द डेविल के जरिये कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। निर्देशक प्रेम ने कहा कि नोरा फतेही काम के लिए बहुत समर्पण और फोकस के साथ आती हैं। मुझे इस ग्लोबल सेंसेशन पर बहुत भरोसा है और विश्वास है कि यह अनोखा जुड़ाव फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।नोरा फतेही ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहाए मैं कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। यह सहयोग नए दर्शकों से जुड़ने और कर्नाटक में कहानी कहने की परंपरा के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने का एक रोमांचक अवसर है। मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने का इंतजार नहीं कर सकती कि हमारे पास उनके लिए क्या है।

कोहली की जगह रजत पाटीदार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल

हैदराबाद। मध्यप्रदेश के बल्लेबाज रजत पाटीदार को विराट कोहली की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पाटीदार अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेल रही इंडिया ए का हिस्सा थे लेकिन अब वह बुधवार को हैदराबाद में भारतीय दल के साथ जुड़ेंगे।कोहली की अनुपस्थिति के कारण भारतीय टीम में कोई रिजर्व बल्लेबाज़ शामिल नहीं था। पाटीदार ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफपहले अनौपचारिक टेस्ट में 158 गेंदों पर 151 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 45.97 की औसत और 12 शतक के साथ चार हजार रन बनाए हैं।इंडिया ए की टीम में देवदत्त पड़िक्कल को बी साई सुदर्शन के स्थान पर शामिल किया गया है। जबकि रिंकू सिंह भी दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के लिए इंडिया ए दल का हिस्सा हैं।

Phoenix Marketcity, Pune Unveils Majestic 25-Foot Lord Hanuman Sculpture Titled Divine Vibrations in Commemoration of Ram Mandir Inauguration

Phoenix Marketcity Pune is proud to announce a momentous celebration in honour of the historic inauguration of the Ram Mandir in Ayodhya. As a gesture of immense reverence and festivity, Phoenix Marketcity, Pune has unveiled an awe-inspiring 25-foot Lord Hanuman sculpture in the mall atrium on January 22, 2024. Majestic 25-Foot Lord Hanuman figurine made with 26,000 handmade brass bells at Phoenix Marketcity, Pune,This grand installation is a manifestation of the joyous occasion surrounding the Ram Mandir inauguration and serves as a symbolic tribute to Lord Rama, commemorating his birthplace in Ayodhya. The 25-foot Lord Hanuman figurine, made and adorned with an astonishing 26,000 handmade brass bells, will be a spectacular sight in Atrium 5, encapsulating the essence of divine vibrations. The installation seeks to bring together the community in a spirit of cultural harmony, echoing the sentiments of millions of Hindus globally who are celebrating this historic event. The craftsmanship and attention to detail in this colossal Lord Hanuman figurine are not only a testament to artistic excellence but also a heartfelt expression of respect for Indias rich history and religious heritage.

उर्स मेला-2024

प्रशासन ने चढ़ाई शुकराना की चादर

अजमेर। उर्स मेला-2024 के शान्तिपूर्वक सम्पन्न होने पर प्रशासन द्वारा मंगलवार को शुकराना की चादर चढ़ाई गई। चादर सम्भागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक लता मनोज कुमारए कलक्टर डॉ.भारती दीक्षित तथा पुलिस अधीक्षक श्री चूनाराम जाट ने चढ़ाई। उर्स मेला.2024 शान्तिपूर्वक एवं निर्विघ्न सम्पन्न होने पर अमन और शान्ति की दुआ के साथ चादर पेश की गई। मुक़दस मोईनी के माध्यम से चादर चढ़ाई गई। इस अवसर पर अजमेर विकास प्राधिकरण की आयुक्त नित्या केए मेला मजिस्ट्रेट जगदीश प्रसाद गौड़, उपखण्ड अधिकारी शिवाक्षी खाण्डल, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी सुरेश सिन्धी, जेएलएन की उप अधीक्षक डॉ. शालीनी मीणा, चिकित्सा विभाग की एसएमओ डॉ. स्वीटी मीणा सहित अधिकारी उपस्थित थे।

पंचशील नगर की सतगुरु बिल्डिंग में लगी भीषण आग

अजमेर। पंचशील नगर के सी ब्लाक स्थित सतगुरु बिल्डिंग में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयावह रूप ले लिया। घटना के समय भीतर डेढ सौ से दौ सौ कर्मचारी काम कर रहे थे। आग लगते थे कर्मचारियों में भगदड मच गई। जान बचाने के लिए कर्मचारी भवन की छत पर जा पहुंचे।

सूचना पाकर कलेक्टर भारती दीक्षित एसपी चूनाराम जाट तुरंत मौके पर पहुंचे। क्रिश्चियनगंज पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया। दमकल कर्मियों ने गडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तथा भवन की छत पर फंसे कर्मचारियों को सुरक्षित तरीके से नीचे उतारा। फिलहाल आल लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 98879087277,
7737385114
Email ID
sabgurunews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

छोटी बस्ती के मंदिर से लेकर बड़े आयोजनों तक पहुंचे श्रीरामलला

अजमेर। अयोध्या के भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को गली, मोहल्ले, नगर और शहर में उल्लास का माहौल रहा। सुबह से ही मंदिरों में यज्ञ, हवन, पूजा अर्चना का सिलसिला जोर पकड गया। भगवान श्रीराम के अआगमन से उल्लासित रामभक्तों ने प्रभु को रिझाने और उनके आगमन को यादगार बनाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोडी। दीपावली जैसी जगमग देखने को उमडे शहरवासी श्रीराम प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर शहर के समस्त चौराहों, मुख्य स्थलों पर विशेष लाइटिंग की गई तथा रोशनी से जगमगाते शहर को देखने के लिए लोग शाम को घर से बाहर निकल आए। आनासागर चोपाटी पर मेला सा लगा रहा। शहर के कई रास्तों पर जाम की स्थित बन आई जिसे यातायात पुलिस ने डायवर्जन के जरिए नियंत्रित किया।

छोटे बडे सभी मंदिरों में लाइव प्रसारणः-शहर के अंतिम छोर पर बसी गणेश गुवाडी के मंदिर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महानगर संघचालक खाजूलाल चौहान की मौजूदगी में आमजन ने श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण देखा। इसी तरह पंचशील के मनकामेश्व महादेव मंदिर, पंचमहेश्वर महादेव मंदिर को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया और विभिन्न धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। शाम को प्रसादी रखी गई। रोशनी से जगमग करते मंदिरों और घरों पर लाइटिंग दीपावली के समान लग रही थी। पंचशील के सीएसएम मॉल के सर्किल पर देर शाम सामूहिक दीपदान, राम भजन, पुष्पवर्षा और भव्य आतिशबाजी की गई। रामलला के आगम पर प्रसाद वितरण किया गया। जयपुर रोड व्यापारिक संघ की ओर से पोष बडे व देशी घी से निर्मित सूजी के हलवे

का वितरण किया गया। करीब 5 से 6 हजार रामभक्तों ने प्रसाद का आनंद लिया।

राजगढ़ धाम पर भी धार्मिक आयोजनः-श्री मसानिया भैरव धाम राजगढ़ पर भी धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। धाम के प्रवक्ता अविनाश सैन ने बताया कि मुख्य उपासक चंपालाल महाराज के सान्नि में चक्की वाले बाबा के मुख्य मंदिर से महाकाली के मंदिर तक शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें सभी श्रद्धालु भगवा रंग में रामलल्ला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा की खुशी को जाहिर करते हुए नाचते गाते नजर आ रहे थे।जुलूस में श्रद्धालुओं के हाथ में भगवा ध्वज लहराते हुए आनंद और उत्साह से धर्म लाभ ले रहे थे। इसी उपलक्ष्य में धाम परिसर में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन भी किया गयाए सुंदरकांड का समापन 551 दीपकों से महाआरती करके किया गया और रामसीता की फेटो और बाबा भैरव मां कालिका के विशेष प्रसाद का भोग लगाकर आए हुए सभी श्रद्धालुओ में वितरण किया गया। राजगढ़ धाम मंदिर में दीपमाला के साथ भव्य सजावट की गई।

भारत विकास परिषद ने बनाया विशाल स्वागत द्वारः-भारत विकास परिषद अजमेर मुख्य शाखा की ओर से वैशाली नगर तिराहे पर महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। सभी ने एक दूसरे को बधाई दी। परिषद की ओर से आगंतुकों का तिलक लगाकर तथा उपरना पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर उपमहापौर नीरज जैन, शाखा अध्यक्ष संजय शर्मा सचिन रमेश चंद जाजू, वित्त सचिव राजकुमार गोयल, प्रांतीय संरक्षक डॉ कमल गोखरू, शहर समन्वयक डॉ सुरेश गाबा, प्रांतीय संयोजक आनंद सिंह राठौड़, खाजू लाल चौहान, सुरेश चंद गोयल, जीतमल चौहान, हनुमान दयाल बंसल, केजी गोयल सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

समारोह में राकेश गौड़ ने भजन प्रस्तुत किए तथा सीमा शर्मा, रेनू सारस्वत, अनिता प्रतिभा तथा मधुरिमा सहित कई सदस्यों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों और व्यापारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

अयोध्या से पुष्कर के गांवों तक पहुंचा श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

अजमेर पुष्कर। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से उल्लासित अजमेर पुष्कर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धर्मप्रेमियों ने मन्दिरों में साफसफाई कर शानदार सजावट की। भव्य आयोजन में आमजन ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। दिनभर भजन, कीर्तन, सुन्दर काण्ड पाठ, विशाल भण्डारे जैसे कई धार्मिक कार्यक्रम बड़े धूमधाम से आयोजित हुए।

केसरपुरा में तेजाजी महाराज मन्दिर पर जुटे ग्रामीण

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर सरपंच शक्ति सिंह रावत के नेतृत्व में ग्राम केसरपुरा में तेजाजी महाराज मन्दिर से पूरे गांव में भव्य कलश यात्रा व श्रीराम दरबार की झांकी निकाली गई। इस दौरान यात्रा मार्ग पर लोगों ने लाल कारपेट बिछाकर पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा का समापन केसरपुरा कोटेश्वर शिव मन्दिर पर किया गया।अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण तेजाजी महाराज मंदिर के सामने एक विशाल टेन्ट में एलडी स्क्रीन के माध्यम से लोगों को दिखाया गया। इस कार्यक्रम से यहां के लोगों में काफी खुशी का माहौल देखने को मिला। इस आयोजन में सरपंच शक्ति सिंह रावत, पंचायत समिति सदस्य प्रदीप सिंह रावतए बीरम सिंह, कैलाश सिहं नंबरदार, गोपी सिंह पटेल, रामकरण नेताजी, पूर्व सरपंच गोपी सिंह, सोहन सिंह, कालू सिंह, विजय सिंहए मदन लाल सैन, रतन कुम्हार, महेन्द्र सिंह, गोपाल सिंहए बलराम, गोवर्धन सिंह, भूपेन्द्र सिंह, ज्ञानी सिंह, ठेकेदार मोहन सिंह, हरी सिंह कोटवाल, चांद सिंह, हनुमान बाबा रैदास, जगदीश प्रसाद, लाडूराम, ठेकेदार शौकीन सिंह, योगेश पांचाल,बाबूलाल प्रजापत, बद्री लौहार, भंवर भारती व महिलाएंए बच्चे और भारी संख्या में ग्रामीजन मौजूद रहे।

कानस में बूढ़ा पुष्कर घाट पर यज्ञ और पूजा अर्चनाग्राम पंचायत कानस के ग्रामीणों ने बूढ़ा पुष्कर घाट पर सरपंच सुनिता रावत व एडवोकेट महेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में दुग्धाभिषेक व पूजा अर्चना, हवन यज्ञ, सुन्दर काण्ड पठन, प्रसाद वितरण जैसे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। स्थानीय पुरोहित दीपक पाराशर ने बताया की भगवान श्रीराम स्वयं अपने पिता की अस्थि विसर्जन के लिए बुढ़ा पुष्कर के इस घाट पर पधारे थे और एक रात यहीं विश्राम किया था। इसलिए इस घाट को रामघाट के नाम से जाना जाता है। शाम को रामघाट पर 1100 दीपक जलाकर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस मौके पर कानस सरपंच सुनिता रावत, सरपंच प्रतिनिधि महेन्द्र सिंह रावत,बंशी भगत उदा सिंह, रंगलाल पटेल, देवी सिंह, भंवरलाल मेघंवशी, रामचन्द्र सिंह, शम्भु सिंह, सोहन सिंह, कैलाश पहाड़िया, कन्हैया सिंहए जयसिंह रावत, खेमसिंहए गोपाल सिंह, मनोहर सिंह, लक्ष्मण सिंह, रामअवतार सिंहए सुशील कुमार, चमन सिंह व भारी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे।

होकरा में निकाली विशाल भगवा वाहन रैलीग्राम होकरा में इस अवसर पर ग्राम होकरा से पुष्कर तक विशाल भगवा वाहन रैली का आयोजन किया गया। बालाजी मंदिर 21 जोड़ों ने हवन यज्ञ किया और मंदिर के शिखर पर कलश स्थापित किए गए। इसके साथ सुन्दर काण्ड पाठ, भजन कीर्तन, प्रसाद वितरण जैसे कई कार्यक्रम पूरे दिन आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम को लेकर यहां के लोगों में काफी उल्लास देखने को मिला। इस मौके पर शंकरलाल पाराशर, दीपक पाराशर, विकास पाराशर, गमीरा सिंह रावत, झाला सिंह रावत, हीला लाल, रतन सिंह, खेमसिंह, सुरेश सिंह, गजेन्द्र सिंह, हनूमान सिंह,पांचूलाल प्रजापत, नाहरसिंह, अर्जुन सिंह, रामसिंह, सुभाष सिंह, ढगला सिंह, रामपाल सिंह व महिलाएं और भारी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नरवर में पूरा गांव लाइट डेकोरेशन से जगमग

भगवान श्रीराम के इस अवसर पर ग्राम पंचायत नरवर में पूरे गांव को लाइट डेकोरेशन से सजाया गया और पूरे गांव के मन्दिरो में साफसफाई कर भजन कीर्तन, सुन्दर काण्ड पाठ, प्रसाद वितरण, भण्डारे सहित कई भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामूहिक रूप से समस्त ग्रामीणों का पूरा सहयोग इस कार्यक्रम के दौरान मिला।

माकड़वाली के ग्रामीणों में दिवाली जैसा उल्लास

इस आयोजन के अवसर पर संकटमोचन हनुमान मंदिर बावड़ी के बालाजी, तेजाजी महाराज मंदिर, शिव मंदिरए देवनारायण मंदिर सहित अन्य सभी मंदियों में साज सज्जा के साथ भगवा वाहन रैली, भजन कीर्तन, सुन्दर काण्ड पाठ, प्रसाद वितरण, विशाल भण्डारे सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। रामभक्तों ने 22 जनवरी का दिन दिवाली के त्यौहार के रूप में मनाया। गायत्री माता मंदिर निर्माण के लिए नींव मुहुर्त का कार्यक्रम भी किया गया। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि हरि गुर्जर, भाजपा ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष रामलाल गुर्जर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य दरियाव सिंह राठौड़, मोहन सिंह राठौड़, कमल शर्मा, रामा गुर्जर, शंकर गुर्जर, जगदीश गुर्जर, अमरा गुर्जर, शिवराज गुर्जर, लाला गुर्जर, सूरज गुर्जर, लाला बन्ना,रमेशचन्द्र ठाड़ा, सोपाल गुर्जर, शिवराज गुर्जर, जसराज गुर्जर, लक्ष्मण गुर्जर, रामा गुर्जर लादी, गोपाल गुर्जर, राजू गुर्जर, अशोक गुर्जर व महिलाएंए बच्चे एवं भारी मात्रा मे ग्रामीणजन मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277